



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(AI Impact Summit 2026 – IndiaAI Mission के अंतर्गत)

प्री-समिट राष्ट्रीय संगोष्ठी कृत्रिम बुद्धि : शिक्षा, समाज एवं नवाचार (5 एवं 6 फरवरी, 2026)

सरक्षक

प्रो. कुमुद शर्मा, माननीय कुलपति महोदया, म.गा.अं.हि.वि., वर्धा

निदेशक

प्रो. प्रीति सागर, अधिष्ठाता, भाषा विद्यापीठ

संगोष्ठी संयोजक

डॉ. हर्षलता पेटकर, सहायक प्रोफेसर,
भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा अभियांत्रिकी विभाग, म.गा.अं.हि.वि., वर्धा

प्री-समिट एक्टिविटी समन्वयक

डॉ. अंजनी कुमार राय, प्रभारी, लीला विभाग, म.गा.अं.हि.वि., वर्धा

विषय परिचय

AI Impact Summit 2026, IndiaAI Mission के अंतर्गत भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence – AI) के क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार तथा उद्योग-शैक्षणिक सहयोग को सशक्त बनाने की एक राष्ट्रीय पहल है।

इस पहल के अंतर्गत आयोजित यह प्री-समिट संगोष्ठी, छात्रों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं को एक साझा मंच प्रदान करेगी, जहाँ वे AI से जुड़ी नवीन प्रवृत्तियों, करियर अवसरों, अनुसंधान एवं स्टार्ट-अप संभावनाओं पर विचार-विमर्श कर सकेंगे।

भारत आज एक ऐसे परिवर्तनकारी युग में प्रवेश कर चुका है जहाँ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence – AI) शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार तथा रोजगार के स्वरूप को मूल रूप से परिवर्तित कर रही है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की दूरदर्शी पहल तथा IndiaAI Mission के अंतर्गत आयोजित AI Impact Summit 2026 की प्री-समिट गतिविधि के रूप में यह राष्ट्रीय संगोष्ठी एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी, जहाँ ज्ञान, विचार, तकनीक और अवसरों का संगम होगा।

संगोष्ठी के उद्देश्य

1. विश्वविद्यालयों में उपलब्ध AI पाठ्यक्रमों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना।
2. शिक्षा एवं उद्योग के बीच प्रभावी संवाद स्थापित करना।
3. कृत्रिम बुद्धिमत्ता में अनुसंधान, नवाचार एवं स्टार्ट-अप्स पर चर्चा।
4. AI क्षेत्र में रोजगार एवं करियर अवसरों की जानकारी प्रदान करना।
5. आस-पास के उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच शैक्षणिक सहयोग को प्रोत्साहित करना।

तकनीकी सत्र - I 'शोध एवं शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का रूपांतरण' (AI for Research and Academic Transformation)

उप-विषय (Sub-Themes) :

1. AI आधारित शोध उपकरण एवं डेटा विश्लेषण
2. साहित्य समीक्षा, सिमुलेशन एवं मॉडलिंग में AI का उपयोग
3. स्मार्ट कक्षाएँ और अनुकूली शिक्षण प्रणालियाँ
4. AI आधारित मूल्यांकन एवं परीक्षा प्रणाली
5. शिक्षा में जनरेटिव AI और भाषा प्रौद्योगिकी
6. अंतर्विषयी शोध में AI की भूमिका
7. ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेस और AI
8. शिक्षा में डिजिटल समावेशन और AI

तकनीकी सत्र : II : 'AI, स्टार्टअप, नवाचार एवं रोजगार का भविष्य' (AI, Startups, Innovation & Future Employment)

उप-विषय : (Sub-Themes)

1. AI आधारित स्टार्टअप मॉडल एवं उद्यमिता
2. विश्वविद्यालयों में नवाचार और इन्क्यूबेशन पारिस्थितिकी तंत्र
3. AI उत्पाद विकास और उद्योग अनुप्रयोग
4. इंडस्ट्री 4.0, ऑटोमेशन और रोबोटिक्स
5. डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा एवं AI करियर अवसर
6. वैश्विक फ्रीलांसिंग एवं रिमोट AI जॉब्स
7. कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और स्मार्ट सिटी में AI
8. कौशल विकास और AI आधारित प्रशिक्षण मॉडल

पैनल डिस्कशन

मुख्य विषय : AI युग में भविष्य का कार्यक्षेत्र : अवसर, चुनौतियाँ एवं तैयारी

पंजीकरण एवं सहभागिता

सहभागिता एवं पेपर प्रस्तुतीकरण (स्नातकोत्तर विद्यार्थी/शोधार्थी) : 300/- (तीन सौ रुपये मात्र)

सहभागिता एवं पेपर प्रस्तुतीकरण (अध्यापक) : 500/- (पांच सौ रुपये मात्र)

पूर्व पंजीकरण आवश्यक, सहभागी प्रत्यक्ष रूप में अपना पेपर पढ़ेंगे। चयनित एवं पंजीकृत प्रतिभागियों को सीमित समयावधि में पूर्ण शोध-पत्र प्रस्तुत करना होगा। प्रस्तुति का माध्यम : PPT, Poster इत्यादि।

पंजीकरण अंतिम तिथि : 03.02.2026

पंजीकरण लिंक : <https://forms.gle/9QEK9oQm3rrAmbbW8>

पंजीकृत प्रतिभागी शोधपत्र/रिब्यू पेपर dpdtile@hindivishwa.ac.in पर दिनांक 03.02.2026 तक प्रेषित करेंगे।

महत्वपूर्ण तिथियाँ (Important Dates)

- शोध-पत्र सारांश (250-300 शब्द सीमा) के साथ पूर्ण शोध-पत्र जमा करने की अंतिम तिथि (ईमेल द्वारा) : 02 फरवरी, 2026 श्याम 5:00 बजे तक
- शोध-पत्र स्वीकृति सूचना : 03 फरवरी, 2026
- सामान्य पंजीकरण की अंतिम तिथि : 03 फरवरी, 2026 श्याम 5:00 बजे तक है, शोध पत्र के साथ पंजीकरण शुल्क की रसीद भेजना अनिवार्य है। शोध-पत्र मूल, प्लेज़रिज़्म फ्री एवं AI डिटेक्शन फ्री होना चाहिए।
- संगोष्ठी की तिथि : 05-06 फरवरी, 2026

आयोजन समिति सदस्य :

1. डॉ. देवेन्द्र कुमार, सहायक प्रोफेसर, भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा अभियांत्रिकी विभाग
2. डॉ. हेमलता गोडबोले, सॉफ्टवेयर अनुषंगी, लीला विभाग
3. डॉ. गिरीश चंद्र पाण्डेय, मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी, लीला विभाग
4. डॉ. प्रवेश कुमार द्विवेदी, अतिथि अध्यापक, भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा अभियांत्रिकी विभाग
5. डॉ. अंजना किशनपुरी, अतिथि अध्यापक, भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा अभियांत्रिकी विभाग
6. डॉ. तुफान सिंह पारधी, अतिथि अध्यापक, भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा अभियांत्रिकी विभाग

ऑनलाइन शुल्क भेजने का विवरण इस प्रकार है -

Account Holder's Name : Finance Officer, Mahatma Gandhi Antarrashtriya
Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
Bank Name : Bank of India, Wardha
Account No. : 972110210000005
IFSC Code No. : BKID 0009721
MICR Code No. : 442013003



boism-9527052003@boi

Payment Through Any UPI App Accepted Here



विश्वविद्यालय का परिचय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना भारत की संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में की गई है। यह अखिल भारतीय अधिकारिता का पहला अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय है जो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की कर्मस्थली वर्धा (नागपुर-मुंबई हाईवे) पर अवस्थित है और यह 212 एकड़ क्षेत्रफल में विस्तृत है। प्रयागराज (उत्तर प्रदेश), कोलकाता (पश्चिम बंगाल) एवं रिद्धपुर (जिला अमरावती, महाराष्ट्र) में विश्वविद्यालय के केंद्र हैं। यह विश्वविद्यालय नियमित शैक्षणिक अनुसंधान कार्यक्रमों के अतिरिक्त दूर शिक्षा कार्यक्रम भी संचालित करता है।

उद्देश्य : विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 4 में उद्देश्य का उल्लेख है कि साधारणतः हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएँ प्रदान करना हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययन और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करवाना, देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएँ प्रदान करना हिंदी को कार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद एवं निर्वचन और भाषाविज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना है।